साधू लड़े रे शब्द के ओल तन पर चोट कोणी आई रे साधा करी रे लड़ाई ।।
।एरी हां ओजी म्हारा गुरुवों

ओ जी गुरु जी पांच पच्चीस चल्या पाखरिया,
आत्म रे चढ़ाई । ।एरी हां ओजी म्हारा गुरुवा ,
आत्म राज करे काया में ,ऐसी ऐसी अदल गमाई ।।

मेरा भाई रे साधा करी लड़ाई ,

ओ जी गुरु जी सात शब्द का मण्डया मोर्चा ,
गढ़ पर नाल झुकाई ।।एरी हां ओजी म्हारा गुरुवा ,
ज्ञान का घोड़ा लगया घट भीतर,
भरमा बुर्ज उड़ाई ।।

ओ जी गुरा जी ज्ञान रा तेगा लिया ह हाथ में ,
कर्मा री कत्ल कराई ।।एरी हां ओजी म्हारा गुरुवा ,
कत्ल कराय भरम घट भेल्या,
तिर गई अलख कमाई ।

ओ जी गुरु जी नाथ गुलाब मिल्या गुरु पूरा,
लाला लग्न लगाई ।एरी हां ओजी म्हारा गुरुवा ,
भानी नाथ शरण सतगुरु के
करी नोकरी पाई मेरा ।।

साधा करी लड़ाई ,साधू लड़े शब्द के ओट
तन पर चोट कोणी आई ।।
बोल नाथ जी महाराज की जय हो ~
बोल शंकर भगवान की जय हो~